



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 92] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 2, 1971/आषाढ़ 11, 1893
No. 92] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2, 1971/ASADHA 11, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 2nd July 1971

SUBJECT.—Import policy for the year April 1971—March 1972.

No. 76-ITC(PN)/71.—Attention is invited to the import policy as contained in the Import Trade Control Policy (Red Book-Vol. I) for the period April 1971—March 1972.

2 For the existing last sentence in para 67 of Section I, Part 'B' of the Red Book (Vol. I) for April 1971—March 1972 period the following may be deemed to have been substituted:—

“Representatives of the public sector agencies/sponsoring authorities concerned will be invited to participate in the discussions on items concerning them.”

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचनाएं

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1971

विषय :—अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 वर्ष के लिए आयात नीति ।

सं० 76-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71.—अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेडबुक-वॉल्यूम 1) में यथा निर्दिष्ट आयात नीति की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है :—

2. अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 अवधि के लिए रेडबुक (वा० 1) के भाग 'बी' के खंड-1 की कंडिका 67 में वर्तमान अंतिम पंक्ति निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की गई समझी जाए :—

“संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र अभिकरणों : प्रायोजक प्राधिकारियों के प्रतिनिधियों को उन से संबंधित मदों के लिए बहस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।”

SUBJECT.—*Special facilities for import of raw materials and components to closed engineering units during April 1971—March 1972 period.*

No. 78-ITC(PN)/71.—Attention is invited to the provision made in paragraph 115 of Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. I) for April 1971—March 1972 which provides for special facilities for import of raw materials and components to units engaged in the engineering industries, especially in West Bengal, which have closed down for want of steel, non-ferrous metals and other raw materials to enable such units to re-start their manufacturing activities.

2. The procedure for submission of applications for import of raw materials and components by such units is indicated below:—

- (1) Applications for licences should be made in the prescribed form to the C.C.I. & E. (Import Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi.
- (2) Applications should be accompanied by the following:—
 - (a) Certificate from the Chartered Accountant or Cost Accountant in practice who is not a partner or an employee of the applicant firm or its associates or from the sponsoring authority concerned (in the case of small scale industries) indicating:—
 - (i) Book value of production turned out by the unit prior to the date of closure during the year in which the unit was closed and in the preceding year separately.
 - (ii) Actual total consumption (in value) of steel (both indigenous and imported) and other imported raw materials/components prior to the date of closure during the year in which the unit was closed and in the preceding year separately.
 - (iii) Book value of stocks, if any, of steel and other imported raw materials and components held by the applicant on the date of application.
 - (iv) Particulars of import licences obtained by the applicant unit during the last three licensing periods and their utilisation.

- (3) Evidence in the form of a certificate from the sponsoring authority concerned in regard to the date from which the unit was closed for want of raw materials/components and whether the unit is in a position to resume manufacturing activities if arrangements for raw materials and components are made i.e. there are no other factors in the way of resumption of production.
- (4) A certificate from the sponsoring authorities regarding annual sanctioned capacity in the case of large scale units and installed capacity in the case of small scale units, for the manufacture of the end-product to which the import applications pertain.
- (5) Five copies of the list of item sought to be imported.

M. M. SEN,
Chief Controller of Imports and Exports.

विषय.—अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 अवधि के दौरान बन्द पड़े अभियांत्रिकी एककों के लिए कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए विशेष सुविधाएं ।

सं० 78-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71.—अप्रैल, 1971—मार्च, 1972 वर्ष के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक नं० 1) के खंड 1 की कंडिका 115 में दी गई व्यवस्था को और ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें अभियांत्रिकी उद्योगों में लगे एककों के लिए, विशेषरूप से पश्चिम बंगाल के उद्योग जो कि इस्पात, अलौह धातु तथा अन्य कच्चे माल की कमी के कारण बन्द हो गए हैं ऐसे एककों को पुनः निर्माण कार्य करने के योग्य बनाने के लिए कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए, विशेष सुविधाओं की व्यवस्था है :—

2. ऐसे एककों द्वारा कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए आवेदन-पत्र भेजने की विधि, नीचे संकेतिक की गई है —

(1) लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (आयात नीति सेल) उद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए ।

(2) आवेदन पत्र निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजे जाने चाहिए :—

(क) मसदी लेखा पाल अथवा लेखापाल जो व्यवहार में है और जो आवेदक कर्म का भागीदार या कर्मचारी अथवा सहयोगी नहीं है अथवा संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा (लघु पैमाने के उद्योगों के मामले में) एक प्रमाण-पत्र यह संकेत करते हुए कि :—

(1) जिस वर्ष में एकक बन्द कर दिया गया था उसके दौरान एकक बन्द होने की तिथि से पहले और इससे पिछले वर्ष के दौरान एकक द्वारा उत्पादित माल का अलग अलग बही-मूल्य,

(2) जिस वर्ष में एकक बन्द किया गया था उसके दौरान एकक बन्द होने की तिथि से पहले और इससे पिछले वर्ष के दौरान इस्पात (दोनों देशज और आयातित) का और अन्य आयातित कच्चे माल / संघटकों का अलग अलग वास्तविक कुल उपभोग (मूल्य में),

- (3) आवेदन पत्र देने की तिथि को आवेदक द्वारा रोके हुए इस्पात तथा अन्य आयातित कच्चे माल और संघटक यदि कोई हो तो उन के स्टॉक का बढ़ी-मूल्य,
- (4) पिछली तीन लाइसेंस अवधियों के दौरान आवेदक एकक द्वारा प्राप्त किए गए आयात लाइसेंस और उन के उपयोग का व्यौरा ।
- (3) स तिथि से एकक कच्चे माल/संघटकों की कमी के कारण बन्द कर दिया गया था उसके सम्बन्ध में और यदि कच्चे माल और संघटकों के लिए व्यवस्था कर दी जाए तो क्या एकक निर्माण क्रिया पुनः धारण करने की स्थिति में है अर्थात् उत्पादन को पुनः आरम्भ करने के माग में कोई अन्य बाधा तो नहीं है, इस सम्बन्ध में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी से प्रमाण पत्र के रूप में साक्ष्य ।
- (4) अंतिम उत्पाद, जिस से आयात आवेदन-पत्र सम्बन्धित है, के निर्माण के लिए, बड़े पैमाने के एककों के मामले में वार्षिक स्वीकृत क्षमता के विषय में और लघु पैमाने एककों के मामले में संस्थापित क्षमता के विषय में प्रायोजक प्राधिकारियों से एक प्रमाण पत्र ।
- (5) आयात किए जाने वाली मर्दों की सूची की पांच प्रतियां ।

एम० एम० सेंट,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित ।